ABSTRACT

स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिकों की समस्यायें

डॉ. के.के.शर्मा
प्राध्यापक समाजशास्त्र
शा. ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी महाविद्यालय,रीवा (म.प्र.)
एवं
शशि सिंह
एम.फिल. समाजशास्त्र
शा. ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी महाविद्यालय,रीवा (म.प्र.)

सारांश

मानव जीवन की तीन मूलभूत आवश्यकताएं है-भोजन, वस्त्र और आवास। पौष्टिक भोजन, स्वच्छ वस्त्र तथा साफ-सुथरा आवास मानव की कार्यक्षमता एवं जीवन को सुचारु रुप से सक्रिय रखने के लिए न्यूनतम एवं वांछनीय आवश्यकताएं है। कार्यक्षमता की अनुकूल दशाओं के विकास के लिये श्रमिकों का संतुलित पोषण, स्वास्थ्य व आवास की उपलब्धता आवश्यक है, इसी प्रकार स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिक, श्रमिकों की श्रेणियों में से एक हैं। स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उनमें से स्वास्थ्य, संतुलित आहार व आवास है।

स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिकों में महिला तथा पुरुष दोनों योगदान दे रहे है, जिनको कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। परिवेश, वातावरण की सफाई के साथ-साथ स्वयं की स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। रीवा नगर में सफाई व्यवस्था में लगे श्रमिकों को सफाई के उपयुक्त साधनों का उपलब्ध न होना एक बड़ी समस्या है, जिसके कारण इन्हें अपने स्वास्थ्य को दरकिनार करते हुए सफाई कार्य को पूरा किया जाता है। स्वच्छता कर्मियों को सफाई व्यवस्था के उपयुक्त साधनों को उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जिससे स्वच्छता कार्य को सुचारु रुप से पूरा किया जा सकें।

मुख्य शब्द- स्वच्छ भारत अभियान, स्वच्छता कर्मी,सर्वेक्षण रैंकिंग

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2020-21
अंक-33-34, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्